16 वर्षों के बाद बजेगा जनगणना का बिगुल

चार हजार से अधिक गणक, 1 अप्रैल से मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज होगी जानकारी

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 9 फरवरी- वर्ष 2011 के बाद पूरे 16 वर्षों के अंतराल के बाद भारत की जनगणना-2027 एक बार फिर पटरी पर आ गई है. कोरोना काल के कारण रुकी हुई यह प्रक्रिया अब गति पकड़ रही है. जिले में 1 अप्रैल से चार हजार से अधिक गणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे. इस बार जनगणना में नागरिकों से 33 महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे जाएंगे और पूरी जानकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज की जाएगी.

जिले में वर्तमान में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) के अंतर्गत कार्य जारी है. सामान्यतः 700 से 800 की आबादी वाला एक एचएलबी रहेगा. संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है. जनगणना के दौरान गणक नागरिकों से मकान की संरचना, सुविधाएं, परिवार की संरचना, शिक्षा, संपर्क सुविधाओं सहित विभिन्न जानकारियां सूचीकरण और गृह गणना अनुसूची के माध्यम से एकत्र करेंगे. जनगणना से जुड़ी सभी जानकारियां गोपनीय रखी जाएंगी.

सामाजिक-आर्थिक पहलुओं से जुड़े प्रश्न भी पूछे जाएंगे. पूरी जानकारी सीधे गणक के मोबाइल में मौजूद ऐप में दर्ज की जाएगी. इस संपूर्ण प्रक्रिया पर प्रधान जनगणना अधिकारी तथा जिलाधिकारी और जिला जनगणना अधिकारी तथा आरडीसी का नियंत्रण रहेगा. भारत के रजिस्ट्रार जनरल ने 22 जनवरी को अधिसूचना जारी की थी. इसके अनुसार, जनगणना अधिनियम 1948 के अंतर्गत नियुक्त गणक घर-घर जाकर जानकारी संकलित करेंगे.

जनगणना में पहली बार जातिवार रिकॉर्ड

इस जनगणना का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चित मुद्दा पहली बार जातिवार जानकारी दर्ज किया जाना है. परिवार का मुखिया अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य वर्ग में आता है या नहीं, इसकी आधिकारिक प्रविष्टि की जाएगी. इससे भविष्य की नीतियों, विकास योजनाओं और सरकारी योजनाओं की योजना अधिक सटीक तरीके से बनाने में मदद मिलेगी.

विवाहित दंपतियों की संख्या कितनी?

गणकों द्वारा घर में कमरों की संख्या, विवाहित दंपतियों की संख्या, पीने के पानी का मुख्य स्रोत और उसकी उपलब्धता, प्रकाश का स्रोत, शौचालय और स्नानगृह की सुविधा, सीवरेज/जल निकासी व्यवस्था, रसोईघर और एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन, साथ ही भोजन पकाने के लिए उपयोग किए जाने वाले मुख्य ईंधन की जानकारी भी एकत्र की जाएगी.

आधुनिक सुविधाओं की जानकारी भी ली जाएगी

जनगणना में रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, लैपटॉप या कंप्यूटर, दूरभाष, मोबाइल और स्मार्टफोन की उपलब्धता, साथ ही साइकिल, दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जानकारी दर्ज की जाएगी. परिवार में उपयोग किए जाने वाले मुख्य अनाज तथा जनगणना से संबंधित संवाद के लिए मोबाइल नंबर भी पूछा जाएगा.

तहसीलदार और सीओ करेंगे प्रगणकों की नियुक्ति

जिले में 1 अप्रैल से जनगणना शुरू होगी. इससे पहले संबंधित तहसीलदार और सीओ तालुका स्तर पर प्रगणकों की नियुक्ति करेंगे. प्रगणक शासकीय और अर्धशासकीय कर्मचारी होंगे, जिन्हें इसके लिए मानधन दिया जाएगा. जनगणना की प्रविष्टियों के लिए प्रगणकों को अपने मोबाइल में संबंधित ऐप डाउनलोड करना होगा, जो जीपीएस आधारित होगा.

घर के प्रकार, उपयोग और स्वामित्व का विवरण

प्रशासन ने बताया कि प्रगणक घर का क्रमांक, जनगणना घर का क्रमांक, घर की फर्श, दीवारों और छत में उपयोग की गई सामग्री, घर का उपयोग और उसकी स्थिति से संबंधित जानकारी एकत्र करेंगे. साथ ही परिवार का क्रमांक, परिवार के कुल सदस्यों की संख्या, परिवार प्रमुख का नाम और लिंग, सामाजिक वर्ग तथा घर के स्वामित्व की स्थिति का भी रिकॉर्ड किया जाएगा.

श्री ह.व्य.प्र. मंडल के अभियांत्रिकी महाविद्यालय में हुआ आयोजन

हव्याप्र में कैंपस ड्राइव

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 9 फरवरी- श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल की ओर से संचालित अभियांत्रिकी महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एवं एमसीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए नागपुर स्थित क्रिप्टेक्स टेक्नोलॉजी कंपनी द्वारा कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया. इस कैंपस ड्राइव में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री धांडे एवं एचआर प्रतिनिधि रसिका दिवान ने विद्यार्थियों की एप्टीट्यूड परीक्षा ली. परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों की एचआर तथा सीईओ द्वारा साक्षात्कार प्रक्रिया आयोजित की गई.

चयन प्रक्रिया में कंप्यूटर साइंस विभाग से तन्वी पोहनकर, अमीषा कातवणे तथा इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग से कार्तिक श्रीवास और तन्वी जीवतोंडे – इन चार विद्यार्थियों का सफल चयन किया गया.इस कैंपस ड्राइव का आयोजन प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी प्रा. प्रणव चेंडके के मार्गदर्शन में किया गया. महाविद्यालय की ओर से चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं.

श्री ह.व्या.प्र. अभियांत्रिकी महाविद्यालय में हुआ आयोजन

तीन दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 9 फरवरी – श्री हव्याप्र अभियांत्रिकी महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से तीन दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया. कार्यशाला में साक्षात्कार कौशल, प्रभावी संवाद, समूह चर्चा, रोजगार के अवसर तथा उद्यमिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया. इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के कुल 75 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. प्रशिक्षण विशेषज्ञ जुही पाटील ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया. उन्होंने साक्षात्कार की तैयारी, आत्मविश्वास बढ़ाने, समूह चर्चा में प्रभावी प्रस्तुति तथा आज के प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में सही करियर निर्णय लेने पर विस्तृत जानकारी दी.कार्यक्रम की अध्यक्षता कंप्यूटर विभाग की प्रमुख डॉ. अंजली राऊत ने की. अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होती हैं. कार्यशाला का सफल आयोजन समन्वयक डॉ. राजश्री शेलके के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, इस अवसर पर मंडल के प्रधान सचिव पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य, एड. प्रशांत देशपांडे, डॉ. श्रीकांत चेंडके, प्रा. डॉ. माधुरीताई चेंडके, डॉ. श्रीनिवास देशपांडे, प्रा. विकास कोलेश्वर, प्रा. रवींद्र खांडेकर, प्राचार्य डॉ. दाळू तथा प्रा. प्रणव चेंडके ने प्राध्यापक वर्ग का अभिनंदन किया एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं.

कलेक्ट्रेट पर 12 को कर्मचारियों का एल्गार

संयुक्त कामगार कर्मचारी संगठन कृति समिति का आवाहन

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 9 फरवरी- केंद्र सरकार के कामगार विरोधी व कार्पोरेट के अनुरूप नीति के विरोध में देश के केंद्रीय कामगार संगठन व फेडरेशन ने गुरुवार, 12 फरवरी को देशव्यापी हडताल का आह्वान किया है. इसी पृष्ठभूमि पर स्थानीय जिलाधिकारी कार्यालय पर मोर्चा निकाला जाएगा. इस मोर्चे का शुभारंभ इर्विन चौक से दोपहर 1.30 बजे होगा. अनेकों बार का संघर्ष व बलिदान से प्राप्त किए गए कामगारों के हित में कुल 41 कामगार कानून केंद्र सरकार ने रद्द करके कामगार विरोधी व पूंजीपतियों के हित की 4 श्रम संहिता लाई गई है. उन संहिताओं के अमल की अधिसूचना भी गत 21 नवंबर को निकाली गई है. इन श्रम संहिताओं के लागू किए जाने के कारण कामगारों का यूनियन स्थापित करने का, न्यूनतम वेतन मांगने

का अथवा पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा मांगने का अधिकार समाप्त हो गया है. इसके अलावा ग्रैच्युएटी, भविष्य निर्वाह निधि, बोनस जैसे अधिकारों को भी समाप्त कर दिया गया है तथा स्थायी कामगारों की बजाय फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट द्वारा केवल 4 से 5 वर्ष से ही कामगारों को ही काम पर रखा जाएगा. जिसके बाद कभी भी उन्हें कम कर दिया जाएगा. ऐसी कामगार विरोधी 4 श्रम संहिताओं के विरोध में 10 केंद्रीय कामगार संगठन व 11 फेडरेशन द्वारा यह देशव्यापी हड़ताल घोषित की गई है. यह हड़ताल कामगार, किसान मजदूरों की है. जिसके कारण इस मोर्चे में श्रमिक जनता से सहभागी होने का आवाहन संयुक्त कृति समिति की ओर से किया गया है.

कौन-कौन हड़ताल में होगा सहभागी

इस देशव्यापी हड़ताल की पुकार आयटक, सीटू और अन्य संगठनों द्वारा की गई है. इन संगठनों से संबंधित केंद्रीय कर्मचारी, बैंक, एलआईसी के कर्मचारी, आंगनवाडी सेविका, आशा वर्कर्स, शालेय पोषण आहार कामगार, निर्माण कार्य मजदूर उसी प्रकार किसान सभा व कृषि मजदूर संगठन के सदस्य मोर्चे के रुप में जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचने के बाद वहां 2 घंटे धरना सत्याग्रह करेंगे.

गो लोकवासी श्री जयकिसन दम्माणी

कबड्डी के भीष्म पितामह एवं वैष्णव धर्म के अनुकरणीय व्यक्ति

10 फरवरी 2025 को श्री जयकिसनजी दम्माणी ने इस नश्वर देह को त्यागकर गोलोकगमन किया. उनका देहावसान केवल परिवार या नगर के लिए ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण कबड्डी जगत और वैष्णव समाज के लिए अपूरणीय क्षति है. उनका पुण्यस्मरण सदैव प्रेरणा देता रहेगा.

श्रावण शुक्ल पूर्णिमा, रक्षाबंधन के पावन दिन 5 अगस्त 1933 को मेरे मित्र श्री जयकिसनजी दम्माणी का जन्म परम वैष्णव माता-पिता किसनगोपालजी दम्माणी एवं श्रीमती तीजाबाई के घर हुआ. बचपन से ही पुष्टि-भक्ति के संस्कार उनके स्वभाव और पूरे जीवन की आधारशिला बने. पढ़ाई के दिनों के साथ ही भारतीय खेलों, विशेषकर कबड्डी, के प्रति उनका गहरा लगाव उन्हें कबड्डी के मैदान तक ले आया. छोटी कद-काठी और छरहरे बदन वाले जयकिसन जी ने अपनी अदम्य फुर्ती, सूझ-बूझ और खेल-कौशल से कबड्डी के मैदान में ऐसा पराक्रम दिखाया कि अमरावती शहर का नाम भारतवर्ष में गूंजने लगा.

सन 1950 की एक कबड्डी प्रतियोगिता में मेरा और जयकिसन जी का परिचय हुआ. यह परिचय उसी क्षण गहरी एवं आजीवन रहने वाली मित्रता में परिवर्तित हो गया. मेरे दिन की शुरूआत सदैव उनके द्वारा सुनाए जाने वाले मधुर भक्तिगीत से होती थी. नागपुर विश्वविद्यालय का भी उन्होंने नेतृत्व किया. वे मध्यप्रदेश कबड्डी संघ के कर्णधार भी रहे (उस समय महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश एक ही राज्य हुआ करते थे) और उनके नेतृत्व में टीम ने अनेक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अंतिम मुकाबले में उन्होंने विजय प्राप्त कर अंतरराज्यीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश को विजेता बनाया, जिससे उनकी प्रतिभा और नेतृत्व को व्यापक मान्यता मिली.

वर्ष 1953 में भारतीय कबड्डी टीम रूस (रशिया) के दौरे पर जाने वाली थी, और उसमें उनका चयन सुनिश्चित हो चुका था. यह इस तथ्य का प्रमाण है कि वे उस समय देश के श्रेष्ठतम खिलाड़ियों में गिने जाते थे. वर्ष 1956 में हैदराबाद में विदर्भ की टीम का मुकाबला बंगाल से हुआ. खेल के दौरान बंगाल का एक भारी-भरकम खिलाड़ी बार-बार छल-कपट का सहारा लेकर बढ़त बनाने लगा. तब जयकिसन जी ने उसे ईश्वर की याद दिलाकर सत्य स्वीकारने के लिए प्रेरित किया और उसी क्षण अपने अद्वितीय चरित्र तथा महानता का उज्ज्वल परिचय दिया. यह घटना खेल-कौशल से अधिक सत्य, नैतिकता और साहस की विजय थी. मुंबई के प्रसिद्ध कबड्डी प्रशिक्षक बाबाजी जामसांडेकर ने उनका खेल देखकर कहा- हा तर मारूतीचा अवतारच प्रकट झाला!

कटक के अंतिम (अंतरराज्यीय कबड्डी प्रतियोगिता) में उन्होंने मुंबई के खिलाड़ियों के सभी प्रयास निष्फल कर दिए, जिसकी व्यापक चर्चा मुंबई के प्रमुख समाचारपत्रों में भी हुई. देश के अनेक प्रांतों के खिलाड़ी उनसे प्रेरणा ग्रहण करते थे. वर्ष 1953 में खंडवा के प्रतिष्ठित बाहेती परिवार की श्रीमती श्यामादेवीजी से उनका विवाह हुआ. इसके पश्चात उन्होंने दाल मिल और ऑइल मिल के क्षेत्र में ईमानदारी, नीति और कर्मठता के साथ उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की. भक्ति और दृढ़ धर्मसंस्कारों ने उनके जीवन को संतुलित, स्थिर और प्रेरणादायी बनाया.

अमरावती के भाजी बाजार स्थित श्री बालकृष्णजी के पुष्टिमार्गीय मंदिर से उनका जुड़ाव बचपन से ही था. उन्होंने तिलकायत श्री 108 पूज्यपाद गोस्वामी श्री गोविंदलालजी महाराजश्री से ब्रह्म-संबंध प्राप्त कर पुष्टि-भक्ति को अपने जीवन का केंद्र बनाया. अमरावती में भैया साहेब देशपांडे संगीत के गुरु थे, उनसे उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और तत्पश्चात मथुरा में द्वारकाधीश मंदिर के प्रमुख कीर्तनिया श्री लक्ष्मणप्रसादजी चौबे (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित) से पुष्टिमार्ग की कीर्तन-परंपरा– विशेषतः ध्रुपद-धमार शैली–का गहन अध्ययन किया. वे उच्च दर्जे के कीर्तनकार थे और अपनी कीर्तनों व गायन की मधुरता से सभी को मंत्रमुग्ध कर देते थे.

उन्होंने जीवनभर भारतीय परिधान-धोती और कुर्ता धारण करने का संकल्प निभाया और उनकी इस परंपरानिष्ठ जीवनशैली से अनेक लोग प्रेरित हुए. उनका जीवन ब्रह्ममुहूर्त से ही आरंभ होता था. वे प्रतिदिन प्रातः 4 बजे स्वयं उठते, भजन-स्मरण और अष्टयाम सेवा करते और अपने आचरण से सभी को प्रेरणा देते थे. उनकी दिनचर्या अनुशासन, शुचिता और भक्ति का जीवंत स्वरूप थी.

परम पूज्यपाद गोस्वामी 108 श्री प्रथमेशजी महाराजश्री की प्रेरणा से वे अंतरराष्ट्रीय वैष्णव परिषद के कार्यों से जुड़े. उन्होंने अमरावती में गौशाला की स्थापना कर जीवनभर गौसेवा की. प्रत्येक एकादशी को उन्होंने कीर्तन-समाज की परंपरा आरंभ की, जो आज भी अमरावती की भक्ति-परंपरा का अभिन्न अंग है. वे श्री गणेशदास राठी छात्रालय समिति के अध्यक्ष भी रहे (1992-94) और शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के प्रसार में उनका योगदान अनुपम रहा.

10 फरवरी 2000 को खामगांव में पूज्यपाद गोस्वामी 108 श्री मथुरेश्वरजी महाराजश्री की उपस्थिति में हुए कीर्तन-सम्मेलन में उनके कीर्तन अत्यंत भावपूर्ण रहे. जब उन्होंने सूरदासजी का पद दृढ़ इन चरणन केरो भरोसो भक्ति-भाव से प्रस्तुत किया, तो सभा में प्रेमाश्रु उमड़ पड़े. उसी अवसर पर महाराजश्री ने घोषणा की- जयकिसन जी विदर्भ के कीर्तन-सम्राट हैं. मेरे लिए यह उपाधि किसी भी सम्मान से अधिक गौरवपूर्ण है... ऐसे परम भगवदीय, पुष्टिभक्त शिरोमणि, भारतीय संस्कार परंपरा के उद्वाहक श्याम और सुरेश के पिता का गोलोकवास मेरे जीवन की अपूर्णीय क्षति है. तभी तो भगवान ने नारदजी से कहा था कि,

नाहम वसामि वैकुंठे,
योगीना हृदये न च
वसाम्यहम तत्र यत्र, मम
भक्तां गायन्ते।

जय श्रीकृष्ण
प्रो. बाबू थानवी
सेवानिवृत्त प्राध्यापक,
खामगांव
छत्रपति शिवाजी पुरस्कार
से सम्मानित

पुस्तक खरीद कर पढ़ने का गुण सभी में होना चाहिए

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अकोला, 9 फरवरी- हाजी नगर अकोट फैल स्थित मिल्लत शिक्षा संकुल में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पुस्तकों का महत्व और अध्ययन रुचि बढ़ाने हेतू पुस्तक मेले का आयोजन पूर्व मंत्री खान मोहम्मद अजहर हुसैन साहब की अध्यक्षता में मनाया गया. पुस्तक मेले के उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में समाजसेवक रहेमान बाबू साहब, हाजी निसार सेठ, पुर्व पुलिस अधिकारी सैय्यद मतीन, पूर्व प्राध्यापक एजाज खान, अब्दुल कादर ठेकेदार, खलाकुल असदी, डॉ जाकिर नोमानी,प्राचार्य मुबीन उर रहमान, इश्तियाक हुसैन, मोहम्मद अफसर, नियामत अली, रेहाना बी, फातेमा अंजुम, नूरजहां, शाहिना तबस्सुम, और अन्य अतिथि

उपस्थित थे. मेले में वैज्ञानिक , सांस्कृतिक, और धार्मिक पुस्तको के अलाव कहानियो व शैक्षिक साहित्य कि तकरीबन 12 स्टॉल 9255.. रूपयों की पुस्तको कि बिक्री हुई. पुस्तक मेले के आयोजक सरफराज नवाज खान ने पुस्तक मेले का महत्व बताते हुए कहा कि इस से छात्रों में शैक्षिक, वैचारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलेगा और सब से अहम बात छात्रों में अध्ययन कि रूची का सशक्तीकरण होगा. अध्यक्षीय भाषण में खान मोहम्मद अजहर हुसैन साहब ने कहां की पुस्तक का अध्ययन उज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है. क्योंकि जो पढेगा वह आगे बढ़ेगा. किताबें चुप रहती है लेकिन पढ़ने वाले को बोलना सिखा देती है. इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि पुस्तक खरीद कर पढने का गुण हर इंसान में प्रचलित हो.पुस्तक मेले को सफल बनाने केलिए शिक्षक सैय्यद मजहर, सैय्यद सोहिल अली, मोहम्मद शकील, फैयाज इनामदार, नोमान आबिद, तनवीर अहमद खान, वसीक खान, रिजवान खान, अनीक अरशद, शेख नदीम, अनवर बेग, मोहम्मद इजहार अहमद,मोहम्मद फय्याज,अब्दुल राजीक, खुर्शीद अली, शुमाएला अंजुम, शकिला बेगम, शगुफ्ता परवीन, अरफा मिशकात,कल्पना साहू वंदना लोंकर, शोएबा नूर, नुजहत कौसर,कौसर इम्तियाज खान,अफरोजा बानो ,नीलोफर मेहरीन,असमा परवीन, नीलोफर सायेमा,फरहत तरन्नुम, फरहत अंजुम, ,शमीम अख्तर, नाहिद नाज,सादिया अंजुम,अतीया परवीन,सलमा बानो मोहम्मद साकिब, अब्दुल शाहाब, सुफी खान, अयाज खान, आसिफ खान, अब्दुल गफ्फार, काजी अजहर मुसैब जववाद, नईम खान मोती खान और अन्य लोगों ने प्रयास किए.

अजहर हुसैन ने पुस्तक मेले में की अपील

जन्मदिन मुबारक

आप सभी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

जिनका फोटो आज के जन्मदिन कॉलम में छपा है, वे फोटो कटिंग साहिल ऑप्टीकल में देकर इम्पोटेड गॉगल प्राप्त करें. यह ऑफर सिर्फ आज ही के दिन है.

साहिल ऑप्टीकल
राजापेठ पुलिस स्टेशन के पास
अमरावती, मो.9325717817

जीवन की बगिया महकेगी को मिली सराहना

स्वरकोकिला को भावपूर्ण नमन

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 9 फरवरी- भारतरत्न लता मंगेशकर की चतुर्थ पुण्यतिथि पर संगीत साधना कराओके क्लब, अमरावती की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि संगीत कार्यक्रम 'जीवन की बगिया महकेगी' भावनाओं और सुरों से सराबोर वातावरण में भव्य रूप से संपन्न हुआ. कार्यक्रम की शुरूआत गणराया को समर्पित लता जी द्वारा गाई गई गणेश वंदना से हुई, जिसने पूरे क्लब को भक्तिरस में डुबो दिया.

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनपा प्रभाग 13 के सभी पार्षद मिलिंद बांबल, स्वाति कुलकर्णी, लवलीना हर्षे, अंबादेवी संस्थान के सचिव चंद्रशेखर कुलकर्णी, मनपा अधिकारी गजेंद्र हर्षे, पूर्व पार्षद श्री प्रणित सोनी, आशीर्वाद न्यूज चैनल के अमोल खंडारे तथा विदर्भ न्यूज चैनल के वरिष्ठ पत्रकार श्री अशोकभाई जोशी उपस्थित रहे.

कार्यक्रम में भाग लेने वाले गायक कलाकारों में..

सुषमा मुणोत, प्रमोद व छाया कुटाफळे, राहुल माहुले, सिद्धार्थ गणवीर, सरोज गुप्ता, संजय कुलकर्णी, अजय देशमुख, वृषाली काळे, वैभव कुबडे, गोपाल गुप्ता, सुधाकर महाजन, पूनम अलकरी, सुरेखा त्यागी, सुरभी कवठळकर, एकांश व शीतल आचार्य, राजेश कुलकर्णी, प्रदीप ढवळे, किरण गाडेकर, संध्या शिंदे, रसिका देशमुख, विदिशा चंद्रपुरे, राजेश चंद्रपुरे, उज्वला थोरात, राजकुमार पिंजानी, संगीता ठाकरे, प्रणिता चिद्दरवार, मंगला सानप, विद्या गावंडे, अर्चना देशमुख, सुमन भगत, जान्हवी बल्लाळ, नीता नांदुरकर, प्रवीण जाधव, रेणुका देशपांडे, स्मिता हिंगूरकर, देवेंद्र ठाकरे, राखी पांचाळे, कांचन बाजोरिया, बबीता पातुरकर, कल्पना नाईक, मंजुषा साबळे, प्रीती भांदर्गे, दीक्षा राठोड सहित अनेक कलाकार शामिल रहे.

लता जी - जिनकी आवाज बनी युगों की पहचान

स्वरकोकिला लता मंगेशकर ने सात दशकों तक भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया. हजारों फिल्मों में गाए उनके गीत आज भी हर दिल की धड़कन हैं. प्रेम, भक्ति, करुणा और देशभक्ति - हर भाव उनकी आवाज में जीवित हो उठता था, उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें भारत रत्न सहित अनेक सर्वोच्च सम्मानों से सम्मानित किया गया.कार्यक्रम संचालन दीपक धानोरकर, सुनीता व्यास एवं कल्याणी मुदलियार ने किया. बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया.

सुरों की बरसात, यादों की सौगात

चंद्रकांत पोपट द्वारा प्रस्तुत 'लग जा गले', 'दिल तो है दिल' और सुनीता व्यास के साथ युगल गीत 'कहीं ना जा आज कहीं मत जा' को श्रोताओं ने खड़े होकर तालियों से सराहा. प्रमुख अतिथि श्रीमती स्वाति कुलकर्णी ने स्वयं मंच पर उतरकर 'दिल तो है दिल दिल का ऐतबार' गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को विशेष बना दिया.इसके साथ ही क्लब के कलाकारों ने 'तुझसे नाराज नहीं जिंदगी', 'एक प्यार का नगमा है, 'मेरे नैना सावन भादो', 'अजीब दास्तां है ये', 'तुझे देखा तो ये जाना सनम', 'तेरे बिना जिंदगी से शिकवा' सहित अनेक अमर गीतों की प्रस्तुति देकर लता जी को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की.